वाणिज्य में स्नातक
बी. कॉम(एफ. वाई. यू. पी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -131: वित्तीय लेखाकरण

सत्रीय कार्य
2024–25

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2024 से 30th जून 2025

द्वितीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -131: वित्तीय लेखाकरण

सत्रीय कार्य 2024–25

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं , जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं । खण्ड - ख में पांच : लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 6 अंक के हैं । खण्ड - ग में दो अति लघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं ।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2024 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2024 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2025 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2025 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. सी. -131**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय लेखाकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.सी.-131/टी. एम. ए./2024-25**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. लेखांकन के उद्देश्यों की व्याख्या करें और लेखांकन जानकारी की गुणात्मक विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें। **(10)**

2. दोहरी प्रविष्टि के सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? डेबिट एवं क्रेडिट के नियम उपयुक्त उदाहरण सहित बताइये। **(10)**

3. IFRS में अभिसरण से क्या तात्पर्य है? भारतीय एएस और अंतर्राष्ट्रीय एएस के बीच अंतर स्पष्ट करें। **(10)**

4. ट्रायल बैलेंस क्या है? ट्रायल बैलेंस की असहमति के कारणों की व्याख्या करें। **(10)**

5. खाते की पुस्तकों में मूल्यह्रास दर्ज करने की विधियों का वर्णन करें। बैलेंस शीट में मूल्यह्रास खाते के प्रावधानों के शेष को कैसे दिखाया जाता है?

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं)

6. व्यापार और लाभ-हानि खाते के लिए समापन प्रविष्टियाँ दें। **(6)**

7. निम्नलिखित के लिए अंतिम खातों में समायोजन का लेखांकन उपचार प्रदान करें: **(6)**
(i) अग्रिम आय प्राप्त हुई
(ii) देनदारों पर छूट का प्रावधान

8. किस्तों का कुल नकद मूल्य दिए जाने पर ब्याज की गणना करने के लिए शामिल चरणों की व्याख्या करें। **(6)**

9. किराया खरीद व्यवसाय के मामले में लागू स्टॉक और देनदार प्रणाली के तहत विभिन्न खाते खोलने के लिए पारित की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियाँ बताएं। **(6)**

10. किसी आश्रित शाखा के खातों को बनाए रखने की प्रणालियों का नाम बताइए और वर्णन कीजिए कि प्रत्येक प्रणाली के तहत लाभ कैसे सुनिश्चित किया जाता है। **(6)**

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

11. अलग-अलग पुस्तकों का सेट रखे बिना संयुक्त उद्यम लेनदेन को रिकॉर्ड करने के विभिन्न तरीकों को संक्षेप में समझाएं। **(10)**

12. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट्स लिखें:** **(10)**
a) बही-खाता निर्माण (लेजर क्रिएशन)
b) चालान बनाना (क्रिएटिंग इन्वोयसिस)